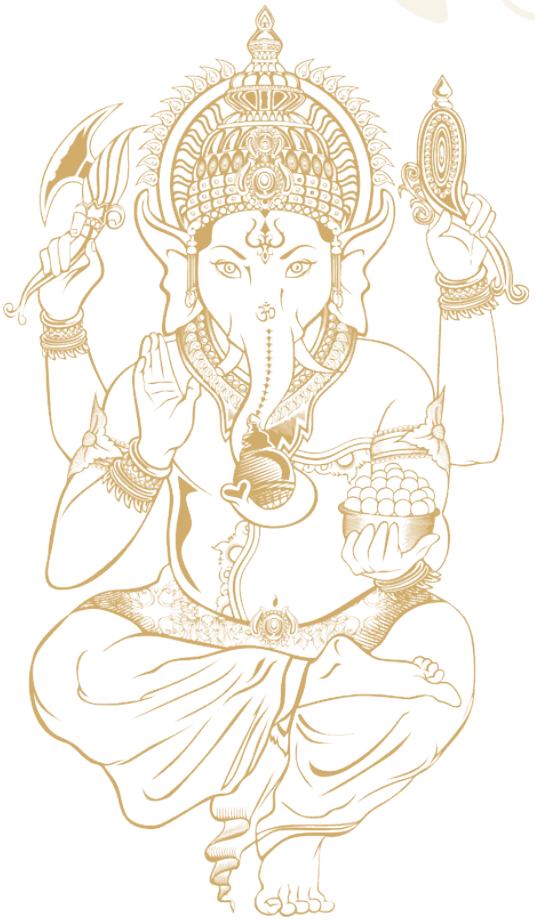

Mr.s

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120266302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/03/1981	जन्म तिथि	21-22/11/2025
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 10:05:00	जन्म समय	00:57:00 घंटे
घटी 08:28:44	जन्म समय(घटी)	45:20:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:41:30	सूर्योदय	06:48:52
18:23:12	सूर्यास्त	17:25:12
23:35:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:11

विंशोत्तरी राहु 1वर्ष 10मा 25दि बुध		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 10वर्ष 0मा 11दि बुध	
30/01/2018		29:06:26	मेष	लग्न	सिंह	18:12:49		00/00/0000
30/01/2035		21:55:52	कुंभ	सूर्य	वृश्चि	05:31:19		00/00/0000
बुध	28/06/2020	18:35:23	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	22:07:54		22/11/2025
केतु	25/06/2021	27:52:43	कुंभ	मंगल	वृश्चि	18:17:51		04/12/2035
शुक्र	25/04/2024	27:01:38	मक	बुध व	वृश्चि	02:11:19		
सूर्य	01/03/2025	14:21:51	कन्या व	गुरु व	कर्क	00:45:43		
चन्द्र	01/08/2026	13:49:29	कुंभ	शुक्र	तुला	24:25:44		
मंगल	29/07/2027	14:25:18	कन्या व	शनि व	मीन	00:58:26	सूर्य	03/01/2026
राहु	14/02/2030	16:58:07	कर्क व	राहु व	कुंभ	20:51:19	चन्द्र	04/06/2027
गुरु	22/05/2032	16:58:07	मक व	केतु व	सिंह	20:51:19	मंगल	31/05/2028
शनि	30/01/2035	01:08:40	वृश्चि व	हर्ष व	वृष	05:12:49	राहु	19/12/2030
		00:20:20	धनु	नेप व	मीन	05:15:04	गुरु	26/03/2033
			तुला व	प्लूटो	मक	07:30:04	शनि	04/12/2035

लग्न-चलित

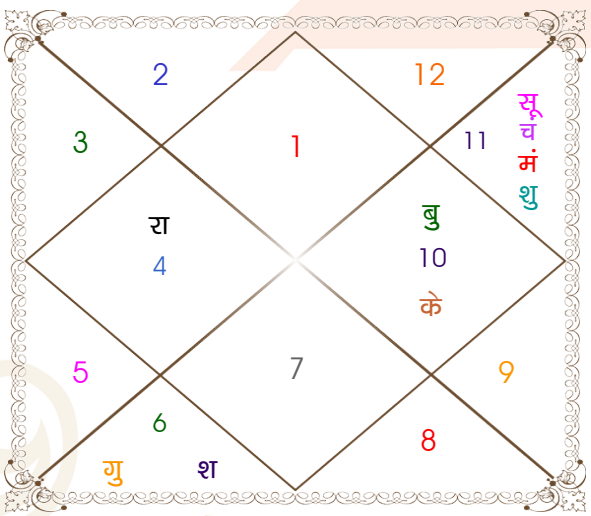

लग्न-चलित

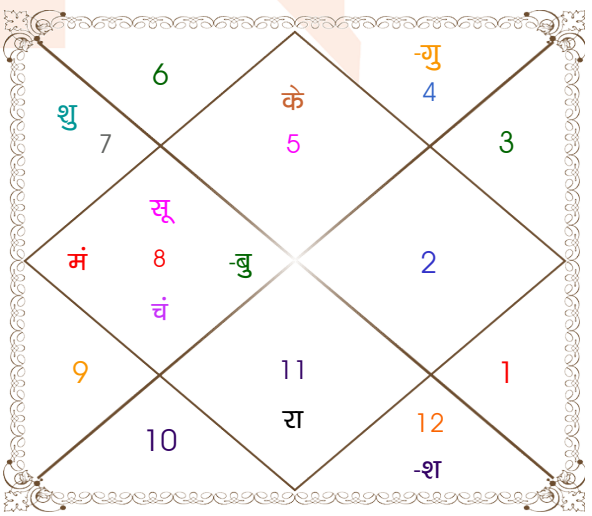

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

डतपे का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतपे और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतपे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतपे कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतपे कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतपे तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।